मेरा गुस्सा

हाय दोस्तों, मेरा नाम जीतू है मैं इस साइट का पुराना रीडर हूं। पहले मुझे यह सब कहानियां बकवास लगती थीं लेकिन जब मेरा साथ ही एक घटना घटी तो मुझे विश्वास हो गया कि ऐसा भी होता है। खैर, मैं अपने बारे में आपको कुछ बता दूं। मेरा नाम जीतेन्द्र सिंह है और घर वाले मुझे प्यार से जीतू कहते हैं। मैं सीधी जिला म०प्र० का निवासी हूं और इस समय जॉब कर रहा हूं। मेरे घर में मेरे मां बाप , दो बहनें और मेरी बीवी एवं एक बच्ची है।

बात अभी हाल की ही है मेरी बहन की शादी के लिये हमारे घर वाले बहुत परेशान थे क्योंकि वह मंगली थी और मंगला लड़का तलाशना बहुत कठिन कार्य था। कई बार शादी के लिये अच्छे लड़के मिले लेकिन कुछ न कुछ रूकावटें आ जाती थी। किसी प्रकार से एक लड़का अच्छा मिला जो कि जॉब में भी था और मंगला भी था कुंडली मिलाने पर पता चला कि इस कुंडली से अच्छी कुंडली कोई दूसरी नहीं हो सकती थी। अब हमने जी जान से इस शादी को कराने की ठान ली। लडके के एक भाई और एक बहन थी भाई का नाम राहुल एवं बहन का नाम राखी था। राहुल भोपाल में एमबीए कर रहा था और राखी की शादी ३ साल पहले हो चुकी थी वो भी सीधी में ही रहती थी। चूंकि जिस जगह मैं जॉब करता था वहां राखी का आना जाना था इसलिये वो मुझे भी अच्छी तरह से जानती थी लेकिन मैं उसे नहीं जानता था। शादी की बात शुरू हुई और लड़केपक्ष वालो में लडके के मां बाप को कोई ऐतराज नहीं था लेकिन राखी इस शादी में रूकावटें पैदा कर रही थी कोई न कोई बखेड़ा हमेंशा खड़ा कर रही थी। चूंकि मेरी बहन की शादी थी तो मुझे गुस्सा भी आता था और एक बार गुस्से में मैंने अरूण घ्लडकाघ को काफी डांट भी दिया और शादी करने से इन्कार कर दिया। अब नया बखेड़ा शुरू हो गया, लडके वाले अब शादी के लिये मान गये और फिर मैंने भी अपने गुस्से पर काबू पा लिया। कुछ दिनों बाद राखी ने नया बखेड़ा खड़ा कर दिया और फिर से नाटक शुरू हो गया। इस बार मुझे सहन नहीं हुआ और मैं सीधा राखी के घर पहुंच गया। उसके एक छोटी बच्ची है जो एक साल की है और उसके पति काम के सिलसिले में हमेशा बाहर रहते हैं। राखी खुद एक पुलिस कॉन्सटेबल है। जब मैं उसके घर पर पहुंचा तो वह अपनी बच्ची को दूध पिला रही थी मैंने उसका दरवाजा खटखटाया तो वह बाहर आई और बडे ही विनम्र भाव से मुझे अंदर बुलाया। मैंने इधर उधर की बातें करना उचित नहीं समझा और सीधे उससे टॉपिक की बात शुरू कर दी। उसने कहा कि वह अभी इस सिलसिले में कोई बात नहीं करना चाहती है और मुझे शाम को घर आने के लिये कहा। मैंने भी हामी भर दी और वहां से वापस चला आया। शाम को करीब ७ बजे मैं फिर से उसके घर गया वहां राखी अकेले थी। उसने मुझे बड़े प्यार से अंदर बैठाया और मेरे लिये नास्ता बनाने अंदर चली गयी। कुछ देर बाद वो नास्ता बनाकर ले आई। मैंने गुस्से में कुछ नहीं खाया तो वो बोली कि नाश्ता कर लीजिये उसके बाद बात करते हैं। मैंने चाय पी ली। कुछ देर बाद राखी मेरे पास आकर बैठ गई मेरी समझ में कुछ भी नहीं आ रहा था कि ये हो क्या रहा है। राखी ने धीरे से मेरे कान में कहा कि क्या तुम अपनी बहन की शादी मेरे भाई से करना चाहते हो अगर हां तो तुम्हें मेरा एक काम करना पड़ेगा। मै चौंक गया और यह सोचने लगा कि वो आगे क्या बोलेगी। मैंने कहा कैसा काम तो उसने मुझसे कहा कि तुम्हें मुझे खुश करना पड़ेगा। मैं एक बार फिर चौंका और मैंने जल्दी से पूंछा कि कैसे तुम्हें खुश करना पड़ेगा तो वो बोली धत् पागल जैसे तुम्हें कुछ पता ही न हो कि औरत कैसे खुश होती है। मैं कुछ समझ नहीं पा रहा था इतने में वो बोली की तुम्हें मुझे चोदना पड़ेगा। अब मेरी हैरानगी का कोई ठिकाना न रहा कि कोई औरत इस तरह से सीधे चोदने की बात कर सकती है। मैंने कहा कि तुम्हारा दिमाग तो ठीक है वो बोली मेरा दिमाग बिल्कुल ठीक है अगर तुम अपनी बहन की शादी मेरे भाई से करना चाहते हो तो तुम्हे मुझे चोदना ही पड़ेगा।और अब तो तुम मेरे घर में हो और मैं भी खुद एक पुलिस कान्सटेबल हूं और एक औरत अगर चाहे

(c) 2008, www.antarvasna.com. All rights reserved with Antarvasna.com. NOT FOR MINORS(Below 18)

तो किसी भी मर्द को खुद के बलात्कार में फंसा सकती है मैं अभी शोर मचाना शुरू कर दूंगी और तुम फंस जाओगे। आगे अब तुम्हारी मर्जी है कि तुम जेल जाना चाहते हो या मेरी इस मदमस्त जवानी में खुद को सराबोर करना चाहते हो । मैं कुछ देर तक सोचता रह गया और फिर मैंने कहा लेकिन इसके बाद तो तुम कोई रूकावट नहीं डालोगी तो उसने झट से कहा कि फिर तो मैं तुम्हारी दीवानी हो जाउंगी और कभी भी किसी प्रकार की रूकावट नहीं डालूंगी बल्कि खुद शादी करवाने के लिये जोर दूंगी। मैंने भी उसे चोदने के लिये हामी भर दी। फिर क्या था वह मेरे घर झपट पड़ी और मुझे चूमना शुरू कर दिया आखिर मैं भी मर्द हूं कब तक अपने पर काबू रख पाता और तब जब कोई औरत खुद ही अपने आपको मुझे समर्पित कर चुकी हो। मैंने भी उसके गोरे गोरे गालों को किस करना शुरू कर दिया। उसने मेरे पैंट के उपर से ही मेरे फनफनाते हुए लंड को पकड़ लिया और दबाने लगी मुझे दर्द हो रहा था तो मैंने अपने पैंट की जिप खोल दी ताकि आसानी से वो मेरे लंड को पकड़ सके। उसने कहा कि अब सहन नहीं हो रहा जल्दी से अपने कपडे उतार दो। मैंने अपने सभी कपड़े उतार दिये और उसने भी अपने कपड़े उतार कर फेंक दिये। अब हम दोनो एक दूसरे के सामने एकदम नंगे खड़े थे जब मैंने उसके बदन को देखा तो अपने होश खो दिये एकदम दूध जैसी गोरी थी वो। उसकी चूंची किसी अप्सरा की चूंची से कम न रही होंगी और उसकी चूत तो समुद्र की तरह गहरी लग रही थी एकदम मखमली एवं बिना झांट के गुलाबी चूत। मैं किसी जानवर की तरह उस पर टूट पड़ा और उसकी चूंचियो को मसलने लगा। वो भी किसी जानवर से कम नहीं थी और चिल्ला रही थी और तेज मसलो मेरी चूची और तेज आह.....ह...ह.हह.। मैं भी उसकी उत्तेजना को देखकर पागल हो रहा था और अपना एक हाथ उसकी चूत पर रखा तो वह चिल्ला उठी और तेज हा.ह.ह.ह. आह.....ओह..... अब मेरी भी उत्तेजना का कोई ठिकाना नहीं रहा और अपनी दो उंगलियां उसकी चूत में मैंने पेल दिया वह जोर जोर से चीख रही थी । कुछ देर तक यह कार्यघ्म चलता रहा। फिर उसने मुझसे कहा कि मैं तुम्हारे लंड का स्वाद लेना चाहती हूं मैं कहां मना करने वाला था वो झुक कर घुटनो के बल बैठ गई और मेरे लंड का दर्शन उसने पहली बार किया तो वह चिल्ला उठी बाप रे इतना मोटा लंड। वास्तव में मेरा लंड १० इंच लंबा और ४ इंच मोटा था। उसके पूरे हांथ में मेरा लंड नहीं आ रहा था उसने मेरे लंड की टोपी हटाई और सुपाड़े को किसी प्रकार अपने मुंह में लेने लगी। किसी तरह से मेरे लंड का सुपाड़ा उसकी मुंह में घुसा अब वो लॉलीपॉप की तरह मेरे लंड को चूसने लगी मैं भी पागल हो रहा था कुछ ही देर में मैंने अपना लंड उसके मुंह से निकालना चाहा तो वह नाराज हो गयी और गुस्से में मुझसे पूछा कि क्यों मैं उसके मुंह से अपना लंड निकाल रहा हूं तो मैंने कहा कि मैं अब झड़ने वाला हूं तो वो बोली कि अपना पूरा रस मेरे मुंह में डाल दो लेकिन अपना लंड बाहर मत निकालना और फिर मेरा लंड चूसने लगी। कुछ देर बाद मैं झड़ गया और मेरे लंड का पूरा रस वो गटगटा कर पी गई। आज वो किसी रंडी से कम नहीं लग रही थी रस पीने के बाद भी वो मेरे लंड को चूसती रही और ५ मिनट बाद मेरा लंड फिर तैयार हो गया तब जाकर उसने अपने मुह से लंड को बाहर किया अब बारी मेरी थी मैंने उसे बिस्तर पर लिटा दिया और उसके चूत के पास अपना मुंह रख दिया वो कुछ देर तड़पती रही और फिर मुझे कहा कि जल्दी से अपनी जीभ मेरी चूत में पेल दो मैंने भी जल्दी से अपनी जीभ बाहर निकाली और उसकी चूत के मुहाने को चाटने लगा वो सिसकियां भर रही थी फिर मैंने उसके अनारदानों को थोड़ा सा काट लिया वो चींख पडी। फिर मैंने अपनी जीभ उसकी चूत के अंदर पेल दी वो आहें भर रही थी मैं अपनी जीभ उसकी चूत में गोल गोल घुमा रहा था और वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी।१० मिनट तक यह सब चलता रहा कुछ देर बाद राखी ने कहा कि अब मुझसे सहन नहीं हो रहा है अपने इस हथियार को मेरी चूत में पेल दो मैंने भी आव देखा न ताव उसके घुटनों को अपने कंधे पर रखा और एक तकिया उसकी गांड़ के नीचे रख दिया अब उसकी चूत ठीक तरीके से उभर कर मेरे सामने आ गयी। सच कहूं उस समय उसकी चूत देख कर ऐसा लग रहा था जैसे कोई फिल्म की हिरोइन मेरे सामने लेटी हो। मैंने अपने लंड को पकड़कर उसकी चूत के मुंहाने पर रख दिया वो कसमसाई फिर मैंने हल्का सा अपने लंड को पुश किया मेरा सुपाड़ा उसकी चूत में घुंस गया वो चिल्ला उठी आह.....मर गयी मां..... मैं डर गया और रूक गया तब वो बोली

(c) 2008, www.antarvasna.com. All rights reserved with Antarvasna.com. NOT FOR MINORS(Below 18)

कि तुम्हारी तो शादी भी हो चुकी है तुम्हें इतना भी नहीं पता कि किसी भी लडकी पर रहम नहीं करना चाहिए मैंने कहा नहीं पता तो वो बोली तब यह जान लो की किसी भी लड़की को चोदते वक्त रहन नहीं करना चाहिये वरना वो तुमसे कभी नहीं चुदवाएगी।फिर मैं अब कहां रूकने वाला था मैंने धक्के लगाना शुरू कर दिया वो चिल्लाने लगी चोदो और तेज आह. आह. ..... आह.....हा..... ..हह.....मरी रे..... मैं अपनी स्पीड और तेज करने लगा वो चिल्लाती रही कुछ देर बाद वो भी मेरा भरपूर साथ देने लगी अपनी गांड़ उछाल उछाल कर वो भी चुदवाने में मशगूल हो गयी करीब २० मिनट की चुदाई के बाद मैं झड़ने वाला था तब मैंने उससे पूंछा कि अब मैं झड़ने वाला हूं कहां अपना वीर्य गिराउं अंदर या बाहर तो वो चिल्लाती हुई बोली की अंदर ही गिराना एक बूंद भी बाहर न गिरने पाये। अब मैंने अपनी स्पीड और बढ़ा दी और कुछ ही देर में मैं झड़ गया और मेरा सारा वीर्य उसकी चूत ने पी लिया। इस दौरान वो ३ बार झड़ी। अब मैं उसके ऊपर यूं ही लेटा रहा। कुछ देर बाद उसने मेरे लंड को वापस अपने मुंह में ले लिया और फिर से चूसने लगी। मैंने पूछा कि अब वो ऐसा क्यों कर रहीं है तब उसने कहा कि अभी तो तुमने मेरी चूत की प्यास बुझाई है अभी तो मेरी गांड़ भी प्यासी है उसकी प्यास भी बुझाना चाहती हूं। मैं दंग रह गया क्योंकि मैंने आज तक अपनी पत्नी की गांड़ नहीं मारी थी यह मेरे साथ पहली बार हो रहा था कुछ ही देर में मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया। अब वो पेट के बल लेट गई और कहा कि अब मेरी गांड़ में अपने लंड को पेल दो। मैं पहली बार किसी औरत की गांड़ मारने वाला था इसलिये मुझे कोई अनुभव भी नहीं था मैने अपने लंड को उसकी गांड़ पर रख दिया तब वो बोली कि ऐसे नहीं बुद्धू पहले अपने लंड और मेरी गांड़ में अच्छे से तेल लगा दो वरना बहुत मुश्किल होगी। मैं जल्दी से उठा और तेल की शीशी उठाकर पहले अपने लंड पर अच्छे से तेल लगाया और फिर उसकी गांड़ में भी खूब तेल लगा दिया और तब अपने लंड को उसके गांड़ के छेद पर रखकर एक जोरदार धक्का मारा तो वह दर्द से कराह उठी अभी मेरे लंड का १/३ भाग ही उसकी गांड़ में घुंसा था फिर मैंने एक और जोरदार धक्का मारा तो वह दर्द के मारे चिल्ला उठी। इस बार मेरा पूरा का पूरा लंड उसकी गांड में समा गया था कुछ देर तक मैं रूका रहा कुछ देर बाद वो अपने गांड़ को खुद आगे पीछे करने लगी तो मैं समझ गया कि अब वो तैयार है मैंने भी धक्के लगाने शुरू कर दिये करीब १५ मिनट बाद मैंने अपना वीर्य उसकी गांड़ में उड़ेल दिया अब हम दोनो शांत हो चुके थे। कुछ देर बाद मैंने अपने कपड़े पहने और वहां से जाने लगा तो उसने मुझसे वादा किया कि अब वो शादी में कोई अड़चन नहीं डालेगी। कुछ ही दिनों में मेरी बहन की शादी हो गयी।

आप सबको यह कहानी कैसी लगी मुझे मेल जरूर करना और अगर कोई आंटी, चाची, भाभी या कुंआरी लडकी मुझसे चुदवाना चाहे तो मुझे मेल करें मेरा इमेल आईडी है singh.jitendra00@gmail.com

वापस जाने के लिए क्लिक करें (http://www.antarvasna.com)

http://www.fsiblog.com – भारतीय सेक्स ब्लॉग
http://www.indiansexstories.net – भारतीय कहानियों का विशाल संग्रह
http://www.desikamasutra.com – गरमागरम तस्वीरें
http://www.masalapornmovies.com – हॉट एवं सेक्सी भारतीय फिल्में

(c) 2008, www.antarvasna.com. All rights reserved with Antarvasna.com. NOT FOR MINORS(Below 18)